

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
मैत्रेय उवाच ॥ पुरा विष्णुः प्रवृत्तिं वया विदुः कुरुक्षेत्रे
विष्णोर्वाक्यं श्रुत्वा तदादिभिरुक्तं यत्तत्तदादिभिः
विष्णोर्वाक्यं श्रुत्वा तदादिभिरुक्तं यत्तत्तदादिभिः
विष्णोर्वाक्यं श्रुत्वा तदादिभिरुक्तं यत्तत्तदादिभिः
विष्णोर्वाक्यं श्रुत्वा तदादिभिरुक्तं यत्तत्तदादिभिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पूजा २ प्रथम वषट्कार विना वधिः सफ्रप निरुधिमः लवकुल
निधिसंनयः सुरुगं ॥ ॥ २ ॥ **॥ २ वागरे वधि ॥**
निर्माना विवकुषद्विदल सवाचरु मध्वगनकादि
वगना दचूयी २ समिचयय वितः ललिता द्विगमि
ति नचतिल सनाथ प्रकल चूयी ॥ ॐ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दवा श्रीवकुषिनामिनि शिरव हवनः प्रसम ह्यान द
यी २ ॐ दीशान वृ हनिनीः कामचूय श्री हन गुविधु
हम सुल न लय कि ॥ ॥ वसुदल स लाचरु हवन
धर्म चक्रः वाउमदत स लाचरु २ द्वालिं गनदल
कमलमहासूय चक्रः हंका व चूय श्री हन चक्रनाथ ॥

॥ ॥ दहसि जित विशादि जिग्यान रुदनी शुवत्य
मन धा वशानाद चूयी २ पीथा दिद ठा रुमि गन सुगन
पूजनीः जित ह्यन जायनी वी ३ ४ वी ॥ ॥ दध्य
नष्टति विवूजल रुव नु य प्रः ज्दिति सि समर्व रूप
रुद वी २ रुम रुम रु रुपाय ठा वनाः इग्नेति ना ठा

उक्तं विष्णु पुराणे ॥

नमा रुप्रदाना ॥ ॥ ३ ॥ ॥ रत्नागललित ॥ महा
यव यागु समया वा वी रुवमी धाम २ दठादिगा दठा
वल भ्राता धिया यः समया नन्द रुव निहा ॥ ६ ॥ वि
ववि यव वदयि धामः म छल भा रुनी दिग्द रुचिय २
७ रुका ना वलिया नद वीः दान य नित्य विष्टु निदा नः

य॥ ॥सदिष्टीसमलमाजःकालवर्कःहवजकायः
 विरुलिया २जागयागितीमनीय विनूजनसमयाः
 नन्दरुवतिहा॥ ॥सिंहनादयाजियावःउमचूयमा
 दःजूसयागितीदान्यपूना २जानधनपूनाःजूवधूवन
 यियाःकर्षयावर्धरुवतिहा॥ ॥ ४ ॥**॥२नागमी**

॥**॥२नागमी**
 ॥**॥२नागमी**
 ॥**॥२नागमी**

॥२नागमी ॥लामकूदहनयवहानस्यचूय २यवशम
 यवसःयवशमलियूजिया॥ ५ ॥**॥२नागमी** ॥**॥२नागमी** ॥**॥२नागमी**
 नायाःपुषुवनदीवा २वीवभलायकसमयानन्द॥
 ॥ ॥विनयिवध्वनःसहजानन्द २कर्षकमला
 पकःहृदयानन्द॥ ॥यववृद्धयवर्षसःधभव

उक्तं यामिनि॥

द २ द वा सूचननः सुमृदिन हृदया॥ ॥ उं ज्ञा ४ हूं
जीर्णं धनक वित्त २ उ म नू य ध क्ष नि वि न मान
नं॥ ॥ ज ॥ ॥ **राग क र्मुदि** ॥ स्वटया गिनी दवा
पि उ व न व्या पिनी २ वि प्र मान इ ह द र्प वि ना णि नी
॥ ५ ॥ न मा मि २ द वी णी व ऊ वा ना हि २ पा द्वि सि

द्वि दायनीः जगत्जननी॥ ॥ पूर्व द ल ग त न क व र्मु
मि २ हूं म न या मि मि द वी नी ल व द सी॥ ॥ द्रायू
य मा रु नि द वी णी न व द ना रा २ य वि भ सं वा वि
नि द वीः लो न व र्मु द हा॥ ॥ मे ष ल सं ग णि नी
द विः रु नि न व र्मु रा २ द रु व ल र छि का द वीः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महेश्वरिणि ॥ ॥ चतुर्भुज उक्तानामः यंच मूढा रुतम
श्च विजु सरुवाः नयनसुदिगी वना ॥ ॥ ६ ॥
लागुरुवि ॥ ॐ ज्ञा हूं हूं जूनक व स्याहाः मकु उवा
नयनं श्रूजा पूजक पूजक सायः नत्य स्य नू यव सिला
वे ॥ ॐ ॥ श्रुत्यः वाहि श्रुति पूनलः यद्यः घाटय २

विग्रहं श्रुत्यः मिरावतः यचर माति वः पचर स्य नस
र्वतिना ॥ ॥ सर्वय क्रुना क्रुसुत न पन विभावात
मायस्मा व श्रुजक जा किनि इ यिः जूद रम मा नः र्म
वलिग्ट क्रुदुव ॥ ॥ दानय नि सृष्ट कार्य नत्यया
सर्वस्य स्य निभा न व २ रुथे वः नथे वः रुजैथे

[illegible][illegible]

विष्णुवनकुम्भकूनायाः रुनाञ्जः विष्णुवधकुम्भकूवि
नविना२ विष्णुवननतनामत्रसंयसाविषरुनियावू
प्रकाकाते॥ ॥ अहिनिमीठानलुनूवावेनुनालाष्टा
दिग्वत्तरावालायें २ जनममत्रथरुयवंधनय्यादिग
नरुयभा नूज्निय संहाय॥ ॥ ८ ॥ रागना

२॥ नक्रवर्त्तननिशायनसुन्दरी २ अक्षदम लज्जप्रह
वधकिवल ॥ ५२ ॥ उक्तद्वीः वान्धीः मामकिद्वी २
जगन्पुमादिवमयनसूनाग्य ॥ ॥ जगमवदपू
नामवधाने २ जगधनमदिकारुवुउपद ॥ ॥
यचरुद्वशात्रपकजलुक्त २ स्यानथागिधीमा ॥

ॐ हनुवतु हनुअ ॥ ॥ सगुनचनलः मिलंगतधनी
 या २ हनयिवाक वरुसनासाचयि ॥ ॥ २ ॥
 = **॥ वागहेनवा ॥** नमहं जकात्रययधनु २ खयुदिसत्य
 उतोधनु ॥ ॥ ॥ ननाहं ननाहं ननाहं २ ननाहं ननाहं
 हं ॥ ॥ ददाजालिगधजागधनु २ वरुधशमडा

ॐ धनु ॥ ॥ धवनसुसवतदहधनु २ सनदसुसाहियर
 डमनु ॥ ॥ मायादहनीनहं गु २ साहियकनुसासत्य
 महुं ॥ ॥ १० ॥ **॥ वागधुगधनमासमि ॥** निचकु
 नविधमिमलमाधधितिज्ञानन्दसुनुमिधना २
 वरुवानाहिजालिगधसुनवाः नानाल श्रीमहाकना

॥ ॐ ॥ नमो हूँ नमो हूँ २ नमो नमो हूँ हूँ ॥ ॥ नी
 नव ध्वज रुवकाः यति मूयति नमः यनमा नन्द मूयति धना
 शवि गोदज अर्ध चतुः जठ मूयति धनाः हाउ आरुन मसः
 मरिणा ॥ ॥ वज्र धर्म गज चर्म उ मरु य धी कः विन
 मानन्द मूयति धना २ कनरु कया लः यन गुया मरि उ

ॐ नव क्रमि ली धनाः या पुवर्म कलि वरिणा ॥ ॥ दिगी
 विदिगी काका स्यादि ऊमदा किनी दवीः सहजा नन्द मूयति
 धना २ नमामि २ शी चक्र सन्धनाः सन गुच चन म आनाधि
 ना ॥ ॥ ११ ॥ २ नागार्ध धर्म रवि ॥ किति लायन स
 उव क्रमि हाना २ कनरु यति हाम मधु लहाम ॥ ॐ ॥

हाम हाम कवयियाः हूं हूं न हिव वृमाता २ नाग द्रव मा हव
 दिव द्या दिव ॥ ॥ पु सार्घ्यं उपाय नवजा २ तदि मः
 मिचापयिवः आचार्य दीधया ॥ ॥ वाम दहित कवस
 वदयिया २ कलियव जानव आहूति दिना ॥ ॥ क
 र्त्तव्य नवः अर्घ्य नव हाम २ वज्र पन्नवन घनय संवाधा

उक्तं विष्णु पञ्चमोक्तम् ॥

॥ ॥ १२ ॥ **नागपर्व** ॥ कलिनव जानव तदि मः
 गिरु विमडा वयि डा कावसा दनूपी २ कन्दू नूया लपि
 रुदन लिताः ययि मयि जिन ममि विद्वन्मय ॥ ५ ॥
 पत्र मानन्द मूत्र निःसृप धा विः का धा धिय पीम शरवजा
 २ उं आहू २ का धा धिय निः पीम शरवजा ॥ ॥ कलि

मकमलसंकमसरुजाः यवननवगसुलीनगतिश्चि
 यमृग्यषठुजत्रलमकृठध्रिः कृष्णोत्ताननदहिन
 वामे ॥ ॥ इन्द्रमधुललापत्रिः यज्यय्यदः कृष्णमाः
 वृक्षननूपकालिनाश्चयज्यकृष्णः दहिनकवधालि
 वामयधमत्यलचायध्वनी ॥ ॥ विविजत्रलाह्रय

विविजत्रलाह्रय

विविजत्रलाह्रयः सुतयिजूनकमृचुतिचूर्यश्चानगुचनयक
 मलपुष्पादाः नमामिपचमनिचायद ॥ ॥ १३ ॥
 चानगललिह ॥ जूनरुचनथगावकावसरायः बलनूप
 विरुः विविजकलेर्षीश्चञ्ज ॥ इन्द्रकावयजासुतमृदक
 सफसाधिर्नहानामृगय ॥ ॥ ॥ चन्डामृनयगा

धिरुलदायकः सर्वजितयापिनसदृजकलही २ रुगन
मलहं धिनः गुं न क नू धा रुतः ही भवता धान विवक्रः
नूपं ॥ ॥ यजयत्रमानूमर्यः गंधा म्बुसं रुकः ही रु
सं धिनः पं रु धिरुलदायकः २ रु कानमनुपूर्य शुगवद्व
वज्रसुखाधिनः विषाक कलही ॥ ॥ घटमलन

चसफनूपरावः आरुयूमदाकिनी जलवचनूपं २ मटिनि
माधा वधं दवगावर्कः ह्यनसत्यमानिराः रुद्रिजकील
ही ॥ ॥ पाद्यादिआवमनः दानपूरपूरमलः समया
वर्कः पुवर्द्धिनः विषदकलही २ मलावाहाउदिलयवा
धिरिलनूपः समयसत्यह्यनवर्कः रुकीरुन ॥ ॥

三

॥ १४ ॥ रागमादि ॥ काला ॥ लः थिया दावः मू मू धन
क काला २ घन क पि थि हा ॥ वजो ॥ क नू ल कि या ॥ न
ला ला ॥ ५ ॥ म न य ऊ क इ नू व ज ॥ त्रि डि मा न
हि मा व ऊ ॥ ॥ न हि र नू ला ऊ ग म थः म यि थ
पि व न ॥ या ॥ २ हा व काल ऊ न य न या ॥ वः इ इ नू व ज

卷之四

नयायि॥ ॥ चक्षुःसमकमुनीसिद्धाः कर्ष्यन्वावन
याः २ मवराऊ ॥ नमः॥ त्रिजलः नहिंरुद्र्याऊ मया
॥ ॥ ॥ एवमनक्रुणकवरायः गुह्यागुह्यनमून २
निनसूरुमृणवजावः ॥ नहिंरुद्र्याऊ मया ॥ ॥
॥ १५ ॥ रवागनवावरीकहू ॥ सर्ववृद्धमष्टिः

विष्णुमालयदनीश्चरुयागिनीः वरुमहि न कालधन
निष्ठिवाचनि॥ ५२ ॥ नमामिवाचुप्रियागिनीः कामि
नीगणमहिता २ नृप अद्वि सिद्धि मनु सिद्धि यागिनी
गणमहिता॥ ॥ अदिम सुत नरुः समनसदो
यमासासु विम्वलाश्चक्रि कुरुल क विवाचक मस्त

चदिरुषिमा॥ ॥ कनलि यथ नमालयदनिः अक्र
टकं अदिनी वना २ मधुमालय वही कमहिताः सालजि
ह्वा रुयकनी॥ ॥ रुद्र वही न कुरु न काः सयल वि
सदियापिना २ रुद्र चन ए गि र्थं धा वीः नृव धूवक र्थ
यागवयिया॥ ॥ १९ ॥ रत्नागज हृदि ॥

ॐ
ॐ
ॐ

साजरावला कियारिच सुमन धनयिकवात्रिच दग्गा
शुक्रवाचन के मम हिरा मूग्गा नः मकूठ के भादिगाम
ना॥ ॐ ॥ चयचमा नू स म्मव नायाः समन शुन्दनी म
नू कोला २ रुम दिना हिनीः वजवा नाहीः रु जाम हिमा
नू माला॥ ॥ मालि रायनः वच हू रुम यनः कथ्य

चन दयिगा वा ला २ गग सती लव रु धिच रुदा गनू म
रु रुव चित्ता॥ ॥ विध धवू वन वू द्वा दि रु व रु स
म रु पयि स यि रु ग रु द्वा ना २ रुम दिना हिनि वजवा
सा हि रु म्म दि नू दग्ग मिर्ज्वा ना॥ ॥ मालि किली ला
वज्ज आत्रिचा उ च स ग रु नू चन ला म ज्ञा ना ध्व रु स याः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

जानं दः रुलिगालमकुलः सम्यववकुदावादि॥ ॥
॥ १० ॥ **॥ नाम क रू दि ॥** विहं उवाययिः शानिनीद
रुकादि २ क मलकलिसुधनकवद्विद्या॥ ५२ ॥
शानिनीउक्तविनूयनकिवः २ मानासूद्विद्याव
कमलसंयिदयि॥ ॥ कयद्वि शानिनीवयतजानूः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मणि कलवहियावः उं दियानसमायि॥ ॥ सासूय
वयावद्विद्यानाव २ वल्ल सूर्य इयिपकनः रुनाडा॥
॥ रुतयिग्वउत्रिहमकूद्विना २ ननयनाविः
मायः उरुयवुदिना॥ ॥ १६ ॥ **॥ नाम ग न्ध रू**
॥ विविह विहनूनमावः नविगणीयदने २ दवाह

[illegible]

अथ विज्ञानम् ॥

उत्तरनिनिदिनवासाभावे॥

कुक्षत्रिःप्रितुवनसाध॥ ॥हविहववुक्ताः॥उच
दमालाश्मानविप्रद्विःसकुरयहनसा॥ ॥वि
विदिनलघनमोलिःवद्वनदहाश्जगनविर्वायिगः
वनहनदायक॥ ॥ २० ॥**शागकाभाद**॥
ज्वनिनिदिनवामजानूःयक्किनधमालसंतासा

शागद्वयमाहवधिरयासाःप्रितुवधनायाज्वलवि
ना॥ ॥ ॥नमामिजीवधुमहावाधसाजानमृगु
रुयद्यदिनाश्विद्यनाथःविद्ययायिनःविनविद्रुम
हाकारवाया॥ ॥ज्वनिरीयनागःउगुपवडाः
उदुकावायाविद्युनिकिनसाश्चिंतिनज्वनाकक

नमयनाः वेप्रिर्गंशासावाः वरूठावभा ॥ ॥ माधव
 मायाः पूर्वउवृक्ताः वीडयिभावाः पादयवृत्तभा २ सत्र
 समायाः नागविभाहाः ह्यननायाः समाहितदहा ॥
 ॥ तत्तारुवधाः पुठलितमोलिः कयूवनीयूत्रः नून
 जूनकावा २ सवनवनाथाः वदिवचनधाः नायसूच

उपनिषद्भाष्यम् ॥

मयजुवलयीना ॥ ॥ २१ ॥ आगमधूमन
 ऊर्यवायुलिः रुचूवद्यनः २ सयवसूत्रासूत्रः ऊगन
 उवावधी ॥ ॥ ॥ ऊर्यरुगवनिपाइकमन्त्रमहि
 मधुलः नोपूत्रनूनजूनकावा २ हाउमज्जारुनधवि
 उषितः मयवयं दउलासाः विनिविनिविनयवि

निःतिनिनयना॥ ॥ कचठिषयवणीवचूडनवः
 धिलमाला २ कंठिषयवणीवचूडनवः ॥ ॥ ॥
 वससिंधूनाः कंकालसूना २ कंकुनी कथूचः नीवावः
 हयसावा॥ ॥ रुनयिसूचनवजः वायुलिदासः
 श्रीवज्रदक्षिणसायः श्रीहनुअपाया॥ ॥ २२ ॥

स्वागकाभाद॥ हं विजुमरुवः यस्मदसाः जवनसंघातीं
 गगनत्रुशोधना २ द्वादशांशुजावदवदनाः द्वादशांशु
 वचकनर्ग॥ ॥ ॥ नमामिशीतिवज्रं यवश्मानरु
 वरुयहनर्ग॥ ॥ वरुविगतियी ॥ यवर्गः यवर्गः
 सवलवीलव्यवी २ वरुवज्रः यदक्रिष्टः दवीसपूज

युक्तितनसिमा॥ ॥ अथ संपूर्ण आलिका लिप्युदाहर
नाः अतिशुद्धना २ द्वा दश दशोऽक रावाः नमः मिश्रीव
जसम्भवा॥ ॥ सगुणवचनः ॥ मिश्रीवः रत्ननः
सयिगीतः श्रीकृतितः २ दानपतिवमना हर्षः सधम
मुत्तमानाधितः॥ ॥ २३ ॥ रत्नागव्यउगी ॥

ॐ वक्रिकुटु ल कंठि लावक मयवक विनः शीवचूडधन
मिलमा ला २ सिन सवक्रिवेयाः रुस विरुषितः गग धन
ॐ विवधु विवाया॥ ॐ ॥ अथ मणि हनुडा दः भावका
नाया रुग्य नाथ श्रीसम्भन नाया॥ ॥ वक्रिकुटु
कला ॥ प्रविद्याः कथं क्रिया उद्यदा वा २ संपूर्णया

गिनी कमल विहासि गवमहासुखमनिपुता ॥
 वज्रवा नाही जालि गम समल नाचयि वरु विह्वल
 ग २ वा य सुलिका येया किद नि हनु उ अरु सुव वल
 पुसा ॥ ॥ सहज स व हिये या गव नि क र्क या गी
 हनु वचन म पुसा द २ पुहा जालि ग द किद नि हनु उ

विना सयि सुन क नूदा ॥ ॥ २४ ॥ २ वा ग हे व वा
 ॥ य र्य ज र्य वा य ल स य व ल सा ल क वी २ अ य य इ न
 स ह न नी ॥ ५ ॥ नून जून जून का २ हू हू का न ना व यि
 मा न नि न वा नू द ॥ ॥ कि न य न या नि द हा यून ल श
 न ऊ न नी नू य व ऊ या गि नी ॥ ॥ ज र्य ज र्य हा ज र्य

ॐ ह्युसाह २ कवटि कपाल मदी गधवी ॥ ॥ जयज
प्र योउम म न ली व शी व नू डन न धिन माना ॥ ॥
मे जयजय नाग हू जग न स सा च २ प्र म मा मि ब्र दय वा
प्र रुबी ॥ ॥ २५ ॥ रनाग श्री जल ॥ हू का न स जाग
= लनी त सम इ नि द हा २ पा ला ला कल नः स म का ला

समाकृता॥ ५२ ॥ अयं तु जूचल्लज्जमगमूच निःश्वस्य
 भक्तवधविश्रुतगताधः जगन्नाथलिनमहाकाधवाय
 ॥ ॥ जूचतिनिहितवामजानूः धावदद नृणां च
 नाशकनाकसहवलयकचः जूचिलविघ्नहृता॥ ॥
 वक्राहनिहन्मघनासनः दधदसनसूचीना २३ अ

२५॥ मधुपन ॥

त्रिधौ छिन्न धनः सद्यः किञ्चिद्विघ्नहृत् ॥ ॥ विविदिषि
तज्ज्ञानरुचिरुषिणः दिव्यवत्तमो वीरजगन्मयी चिन्म
वर्त्तमानः सिद्धिवन्तु लदायकः ॥ ॥ २३ ॥
२५॥ गायत्री ॥ वामधनः दक्षिणकनटि श्यायन
मनमउचः मूढमाहारुदिना ॥ ५२ ॥ दक्षिणावधि

पुष्पकजटिः यज्यामिनी शक्तिनिगुदवीः छिरुवनपयि
षु ॥ ॥ कालमृत् इयियासनः वधियाय श्याम
धर्मभारः कनटि यश्चदिना ॥ ॥ पुलगुम्फदवी
निलेज्जनदक्ष २ गुम्फागुदवी गुम्फा लय ॥ ॥
५३ ॥ संहारलायाः कनूमादवी २ माक्रमार्गदवीः छि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ २० ॥ अथ गणपतस्तोत्रम् ॥

गणेशकृष्णमङ्गलार्थं यत्प्रोक्तं तत्तन्मन्त्रमिति म
न्त्रकृतं विष्णुविना ॥ ५२ ॥ नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ २० ॥
नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ ५३ ॥ नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ २१ ॥
नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ ५४ ॥ नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ २२ ॥
नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ ५५ ॥ नावयिष्ये श्रीगणेशविना ॥ २३ ॥

गारुमद्युलडां डियाच थिनिः कल्यानन सिलधाम् ॥ २ ॥
 कनटिकयानरय दोगधानीः पुद्गाहानवतदहा ॥ ॥
 दिगं विलमकूटकंठीः चक्रिकुलक लुधविश्व
 कमरुतलपायनधानीः शीवमूढनवगिलमाता ॥ ॥
 सर्वगधगगनऊननिदविः विननरावजूरुयावाशीव

उज्ज्वलकमरा ॥

ऊकागिनियनमिलंगनः गाडंति समनसवजा ॥
 ॥ ॥ ५० ॥ **॥ २३ गरास ॥** गिदलकमलवर्ध
 कसूमसयनरुः मधुकनरुववनीताशीविनूयाऊ
 उरुयऊमूडवदवीः भदनयालययापिना ॥ ५० ॥ न
 मामिशीनेवासादवीः गिरुवनमाना ययसादवीशी

मगसुवी २ सयन सुवा सुव व दिग्वन धः जूनग अक्षि सि
द्विः वन पुसादा ॥ ॥ नदन व मि य व ड न न नू वः जून
ग कू सु म या ति जा न व द न २ नि र्ण गी गा वा न म मि नी न
जून ग नी थ सु न कू गु व द न ॥ ॥ जू व र हे न वः जू व य
मि नी द वी जून ग सु न कू गु या न २ जू व म हा र य इ नी न

१६१ ॥ नानवान्सी जूनग विप्रु नि यान्सी ॥ ॥ दिष्प विप्रु
पि न ना व्नि द वी जू व य नि लं क न जा नि म य २ अ रि मी
गुरु रा या य नी द वी ऊ न म ऊ म गु रू या य सु न ना ॥ ॥
॥ ४१ ॥ ॥ **वागविरास** ॥ ॥ द्वि रू ऊ गु क मू य न क व द ध
२ न म म कू ट क म जि न द ना ॥ ॥ ॥ न ना द वी व

द्वाकिनीः विष्णुजननि २ लिखवधयापिनः जिनस्य नः
 दायति ॥ ॥ दहिनकन गवजः दीना सिनदिग्यति २
 वामकः लाटकः चणुमाल पिययि ॥ ॥ गनुनिम दु
 लमा अः ३ दियामम ६ २ नल पून वधन न पव सिना

२ लिखवधयापिनः

॥ श्री विद्याधनिद विः सुनननमहिना २ सुकन अः
 द्विसिद्धिदहिममागा ॥ ॥ ४२ ॥ २ नागगंधारु
 ववि ॥ लिखवधन कलिगमूत्र निः जूनायन दिनयवति
 ॥ ५ ॥ नाचः दकु सुतः यन मध्यत्र नीनवति ॥ नमि
 सुहसु किन दः दग सूर्यः साहसुवति ॥ ॥ दहदिः

५३२

हृत्पुत्रविशमिः प्रनूनायनसत्त्ववमिः ॥ ५३ ॥
॥ आगदिरास ॥ धनधनइधनधनाधन२धनयधनय
वकिमिलीं ॥ ॥ मयमदनवजधकसमयः कइइरा
गहृदिनयव ॥ ॥ कृत्कृत्कृत्कृत्धनसमय२लंशः
लातिकर्तयय ॥ कृत्कृत्कृत्कृत्कृत्धनः ससमयक

मिनकमनधन ॥ ॥ वजस्यशिराननमा२विध
मयसुनसदात्ममहः नलाधकवनवजगीतः कपीक
मावधन ॥ ॥ मास्यनतिम्यरावयवम२मा२मनस
हृत्पुत्ररावधनः ॥ हिजितजिकः समयकायनिवधन
वाचकवन ॥ ॥ हूंजीं ॥ पुहाधकसुगंगा२मवनम

रुद्राक्षमाला

शुभप्रदवस्तुः कुरु आदिनवनवनः पुष्पमासिरुद्र
वज्रगीमा ॥ ॥ ५५ ॥ रागगीशास्त्रवि ॥ हल
सिचमकटकिचकिमनीरास्त्रः चत्रयशुभा ॥ ५६ ॥
साहियवज्रसुतः यत्रमध्यवयनमपद ॥ ॥ गारु
हनीवहृषिधकटदहधनू ॥ ॥ वात्रीरुद्रसुतस

रुद्राक्षमाला

वात्रीरुद्रकंठकमलशुभा ॥ ॥ ५७ ॥ राग
हृषि ॥ ॥ महिमशुतः मन्त्रसमूहाः शूनधनजीरुन
उदकविम्वचडा ॥ ५८ ॥ ॥ पञ्चजूर्मीयः तारनगय
मशुल्लयत्रिहासयिजिनगुधनाय ॥ ॥ कथ
धत्रीः नुदीयाविषयसर्वका ॥ ॥ समूडननीगजिन

वक्रतुण्डका॥ ॥पवनइष्टिरुनीयाःइष्टधियश्चिन्ता
कलसि वज्रानवःदहदिहदाह॥ ॥सुगमरुनयिल
वरीयाःनहाः॥नस्य धाः॥ननवजुरुनयिः॥नचिन्ता
यथाधनं॥ ॥ ५३ ॥**॥नागनाट॥**कवनचूय
नाकम्पनःकवनचूयवृद्ध ॥नृपयनिर्वजनसयात्रः

विशुद्ध॥ ५४ ॥नाचयिज्वधूवकातकमान ॥नृपदीग
जमनृगिद्यननगिरमाता॥ ॥नृपनलानिर्जन
नृपनसक्तिरुता ॥नृनरुनधनगतिःसयात्रविशुद्धि
॥ ॥कहूयालरुतुःकहूयाचयिना ॥नृवधूवका
नगतिःगहमंठा॥ ॥रुनरुनरुनरुःहमरुमल

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ ज्ञानन्दादिदवायुलि ज्ञानन्दादिदवा २५ प्रिना रयि ह
 वृडाः मनसा संपूर्ण ॥ ॥ पूर्वक सिन हिर नू निज कूल
 हनू व २५ वति जू न हा यि व स ना श्व ॥ ॥ श्री ओं दिया
 जन्म जाल यि व ह्म सि २ मि त जू न काः कि न यं मि वा जयं
 ॥ ॥ श्रुति का लि इ विः पा द ध्व न क २७ व उ था मिः

सुपायसुपायः

नीमलनिग ॥ ॥यसिस्सिजामिनीः नूदयसंजाः
ला २ किंद नि कमल कृनिषावा ऊं न ॥ ॥यसु निधा नि
वीनी वगालि २ लयन च वृ समः ह नू उ वीना ॥ ॥
॥ ५० ॥ **लागगा डि** ॥ स्य निम लि नः म यु रा च ऊ
२ उ डि न य उ य गा य दि ना न ॥ स्य निना दि न पु न ज म

न कः न द नू व नी न व ल स म ना डू ॥ ॥य व दू द्वा ल क
स च ऊ ह्य र २ य ग्ध कृ ना न कृ वि उ कृ दि वी ॥ जा उा हि उ
कृ म हा स रू ना माः नू रू उ गी न म न क न ग्ध न ॥ ॥ ७ ॥
व क या न म स्य कृ नं हि कृ र्य २ मा थ च नि ज् थ न ल स त्रि र्य ॥
पू व र नि र्य न ऊ दा य त्रि मू चि न न न वू र्ध २ वू र्ध वि ला व न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

या विघनि नमिदमकना ॥ नना हूं हूं नना नन हूं हूं हूं ॥ ॥
॥ ५१ ॥ **॥ आग विरास ॥** उदिना न व लेया यवन इ
ना श्व वर ह दाम क का ठा वना ॥ ५२ ॥ शान इ ह ने
ह व सि न सि ना २ जू व य नि वं ऊ नः भा कू कू ना ॥ ॥
दि न क न म धु ल म ध्व ग ना २ क नू म म न व स ले व व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ना ॥ ॥ द ग धा जू नि रु य पु मि नि रु ना २ द वा हू न न
व धि वं न मि ना ॥ ॥ ग म डं नि य व न पं मि रु नू र म
ठा श्व ऊ वा ना ही रुं रु धि रं न मि ना ॥ ॥ ५२ ॥
॥ आग म वि ॥ वा ना हि य सि न वि द ल सी ला जा दि न क
क ल म धु ल म ध्व सि ना २ न क ध म्मा द या वा पि या ना द

वीः मरु कंठादिर्गवना ॥ ५ ॥ एतन्नामिवावृत्तिः श्री
 वज्रयागिनीः जूनरुनवाधिपदाययी ॥ ॥ द्विजुक्त
 कर्ममिति निर्वानिः साहिगवधुपुक्तहिमा २ गुजुवन
 व्यापिनीः दहिनकननिधा वीः मरु पूनीककयात धान
 ॥ ॥ वज्रिद्रुमुत्तकदिधानीः साथासावकविमुवि

卷之四

न॥ ध्रु ॥ पियं लमहानसमहासूयकनीयाश्च
 ऊदवीरुलिया अनुरुनह्यन॥ ॥ उद्धनानीमिदल
 कमलसंकाह २ दहि विनासाः पुवनसरुदयि॥ ॥
 कुंजः यालयं वमहासूयकनीयाश्च विनासाः सविज
 वानूदी॥ ॥ मंगुनूपसायः वगुधिरिषक २ पान

विनासाः ससावसमुडा॥

॥ ५४ ॥ **राममलिन**
 ॥ हन्यनिवर्तनयत्रमपुः सन्नमायासंसाउ २ रावह
 विरसंसायसुजाः नानाशिरुयिकावू॥ ॥ नवूरुव
 नउ विद्वीमनहि ७ रुसा महासूरुवक २ जा रावः म
 नरावमः सायत्रसायकक॥ ॥ अमनविदया

नासाविन्दुनचिरु २७ रूसायनमहासूक्ष्मा रुतिनावि
 रु॥ ॥ किमपि विन्दुसूक्ष्मा वज्रानि निरावयि मन
 राव २ सत्ता निरञ्जन पुमपुत्रुमानं पृथ्वी नदाउ॥
 किमजलमाप्ता चन्द्रसहिना लघुनमिन्दु २ तिनिनाम
 धुलचक्रा ननयसंहावत्यम् ॥ ॥ ॐ ॥

उदयागिनिगुल

स्वागनाट ॥ उदयागिनिगुल शिथीका २ कति ठाक
 शाटक धाविनय विः रुद्रदविनादिमविद्या धविदवि
 ॥ ॥ ॥ स्वदवियिगुल धुगुक्रमज्जक २ रुद्रदः
 विनकाकसर्वदसर्वनवदिनः रुद्रदविशालवविद्या
 धविदवी ॥ ॥ मणुपाशुनसुशिशुवनचक्र २ रुद्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ददिविनामिनिवृद्धजकिनिदविभुक्तदतिदिवाक
वविशाधनीददि॥ ॥ॐ॥ अकासुनवजसंकनह
वीयाभुक्तदवित्रविठामिविशाधनिदविभुक्तदः
विमादिनविशाधनीददि॥ ॥ ॐ ॥ **भाग**
वसु॥ जिनवलजननिपुलास्यसमधि२विनामयि

समनसं ददाश्रितिगना॥ ५७ ॥ निवसुहसुनयभ
ऊनसंयुक्त२गन्धालिआलिगधःआनन्दनयन॥ ॥
वायसंरागसःसुनधिमयन२नागविनागइयिमा
म्यनिष्ठसः॥ ॥ जूवजकुलिसःसंजागहिमूय
ना२सुनननपुमूयददाश्रितिगना॥ ॥ दहदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हनुवने श्रीजागम्यवाशुनमामिह्यनठ्यनी जालिगम
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ **॥ १ वागवसंत ॥** जूनसिद्धसुमइ
मिदरुपरास्यवा २ विविधित्तमनिमकटविशुषिना
॥ ॥ ॥ **॥** नाचयिवशी जूचवयिवा २ गनाचवज्जानंद
विनागयिजुचला ॥ **॥** शमउरुवविंदुमूडादर्थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ना २ प्रह्लाजालिगमजुहयमहासूय ॥ **॥** विनागसं
उइमिरुवरुयकना २ जस्य निरुगः कर्क न ऊ निपाठा ॥
॥ **॥** माचवकुत्रद प्यननिमिरुविचुहना २ ववि
ममिरुगमगगनवि मसयि ॥ **॥** ॥ ॥ **॥ ना**
गवलादि ॥ मगमगसुथमोनाः मधुलकाटिसाथ

गानादहा २ दकाटिहाथे गानायागिनी दयावः वासुवि
 रुकनदवा ॥ ५२ ॥ उंका दूमधुतनासु त्रिनायकागि
 नीददयाव २ दक धाम धनी कष्ट आतिगानः वासुस
 कनमाभा ॥ ॥ पूर्वचक्र विद्रियाः दक्षिणतलविस्
 सिनाव २ य विमयप्रपका सनः उरु नदक धनीयास

२४ विद्रिया वि॥

॥ संप्रमयागरनाडाः निमित्तयत्नकनध्रियाव २
 कायवाकविस्मयुतनासु त्रिनायः गगनदकह उिया वा
 ॥ ॥ नूपस नूपस दगीधसुस्य गवसः २ मिमप्रिया
 धर्मधामुहायि २ कर्मयामधुतवसियाः गवयकाह
 नपूजनहायि ॥ ॥ ५२ ॥ आगमासु ॥ विद्रि

धाविदगात्रिवस्तुसि २ सिंघिनिव्याधिनी ऊ वृकउ लकि
नी ॥ ध्रु ॥ नमामिणी ऊ गमन्यन ऊ हानव्यनी २ तिः
निमगुदवीः प्रियुवनययिम् ॥ ॥ पूर्वउरुनय
मि मः दक्रिथदिगदवी २ जकिनी दिधिनीः कउसिक
वा ऊ नी ॥ ॥ वरुनदिगी गुक्ररुनथगुदवि २ ति

वि निमगुदवीः नाचयिरुनूव ॥ ॥ रुप्रिरुनउक्राः २ तु
जसूत्रग ॥ २ धाउगजागिनी समनसंराव ॥ ॥
॥ ३० ॥ ॥ **धनामरुनवी** ॥ ॥ एविसुतुहगवनमसाम
क्रयूननः दगयिजूनरुनवाधिघद २ ऊ नामनथरुव
यधनमाचयः यनमा मगमयः यनमगुनू ॥ ध्रु ॥

वाठम॥ ५२ ॥ उं ऊं वमहात्रसगुक्कारिषकं २ कम
 लकलिगः सथागसंख्या॥ ॥ हाननूपिनीदवीः वि
 षयायिना २ किंद निनचनाः महासूदयाना॥ ॥
 उर्ध्वधसठना लिचाययिषवला २ पायविन्दनचनाः
 दवीजायमयी॥ ॥ गुनूपमादः जूनूलनकि

या २ दहिममाजः ससावसमूड॥ ॥ ५२ ॥
लागबालमि॥ वामादहिमः उदयिघनधी २ माभ्यवि
 नागयिः महासूदयाना॥ ५३ ॥ उं ऊं यिषः ऊयि
 याः सहजश्रानन्द २ सयनवीना सयः उयविराव॥ ॥
 गयनेमयनः चिरुदिलासयिषा २ कायवाकचिरु

वृद्धकृष्णः॥ ॥ अद्भुतहासः॥ श्रीपातनागः॥ प्रचल
 मघाः कुरुमहित्रहा २ ल श्रीवानाः कुरुकृष्णः घृष्टिन
 मघाः महायथा॥ ॥ धात्रमहादेवः कुरुकृष्णः
 जर्जननागः यूननमघा २ किलिकितितावाः अर्जुनद
 काः कृतिकनागः यवनमघा॥ ॥ द्वादशरुजाः द्वा

धूर्मीगान्धि॥

दशशुवनाः चउयक्रवदनाः द्वादशमयनाः २ लनसिकर्तु
 यामाश्वरुसुननाः कालिवाणिः त्रिपुवाचः शिवदना॥ ॥
 ॥ ३४ ॥ **॥ आगामीधना ॥** धूर्मीगाविरुहकलासी २ ल
 समर्थिगलकठावयन॥ ॥ ॥ शुक्रयिवात्रहृहृह
 दुर्कनकन २ लनाविहानः जोडमहावलिपूजा॥ ॥

समया न ईशुः शागा मय न दवा शवा हूति वा हूतिः यत्तु मूह
नयना ॥ ॥ गीत वर्य करैकः यत्तु जावलि ग्व हा शयुषि
करैकः महावलि पूजा ॥ ॥ चोड करैकः यि ह्येन
गय न २ मय मी सः सङ्गीतू धिव आ हा न ॥ ॥ ७ ज
॥ १ वाग मधू मग ॥ यम् दि न दि द ग रू मि हू द त्रि स न

[illegible]

वृत्तसारिणा २ मङ्गलपूनिनकया तस्य लोकाः यामयनमु
 उक्तमित्यगनधना ॥ ॥ यत्किनवनमकृदश
 लीकनाः स्रुतमूडाश्रुतधरुषिणा २ शालिकासिद्धः
 विः शत्रिरुवापयिः व्याघ्रवर्मनिवासनकृष्णन ॥
 ॥ ॥ नलमित्यमाताश्रुतवनशीसम्यनः दिव्यचः

२३ विनि ॥

कृत्तिनिकवृद्धहिया २ ऊर्मजममावृत्तुश्यायस्रुतः
 गाडान्कियनमादिवजगीना ॥ ॥ ३३ ॥ **ध्याग**
मउगी ॥ द्विविनिस्रवतः विनास्रियकृयिष्ट २३०
 रनाडाः मयुलनाया ॥ ३५ ॥ उक्तकाहमलः ऊगन
 निवासिचाव ॥ ॥ श्रमियः श्रमियः नीरजानदस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ सहजं दत्तं येन किं न ह्यस्य यिम् ॥ ॥ ७८ ॥
आ गिनीः प्रवमन् श्वकृतावाहिः आलिगयकाव ॥
उ० रुनाः अकृत्त कवावी २ ऊर्य ऊर्य आलिगयनीः
नवः यानीका ॥ ॥ ७९ ॥ **॥ रागमगतः**
वधान ॥ काः सुत वगः वाजित्वीना २ अनूरुग सक्षेप

यः यिउवनतीना ॥ ॥ ८० ॥ अनूरुग मयूजिनः दानक
यिया २ रुदिन अद्विसिद्धिः नाहिपुमदे ॥ ॥ ८१ ॥
कमूना अइयिर्मनीः सावित्र विगमिः गगध इउम
व ॥ ॥ ८२ ॥ अयी गत्र वं जात्र विज्रस्यता २ गगन स
यत्र माभ्यः पवय मं जाल ॥ ॥ ८३ ॥ **॥ राग**